वैश्विक और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में विकास और रोजगार के एक कारक के रूप में मानव पूंजी

राडेक माली

"कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार" पर ईयू-इंडिया सेमिनार

नई दिल्ली, भारत

27-28 नवंबर 2006

मानव पूंजी: परिकल्पना

- खुली और बहुमुखी परिकल्पना जिसमें विभिन्न प्रकार के लोगों द्वारा निवेश को शामिल किया गया हो।
- स्कूल शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुभव से प्राप्त लोगों में सन्निहित ज्ञान और कौशल, माल, सेवाओं और आगे ज्ञान के उत्पादन में उपयोगी होते हैं।
- व्यक्तिगत और सामूहिक, दोनों स्तर पर उत्पादकता के महत्वपूर्ण निर्धारक।

पृष्ठभूमि पत्र

- दो प्रमुख संदर्भ:
  - दे ल फुएंते ए. और ए. सिककोने (2003), वैश्विक और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में मानव पूंजी - यूरोपियन कमीशन हेतु अंतिम रिपोर्ट, रोजगार और सामाजिक मामले महानिदेशालय, लकसेमबर्ग: यूरोपीय समुदाय के आधिकारिक प्रकाशन का कार्यालय
  - यूरोपियन कमीशन (2006), «मानव पूंजी, प्रौद्योगिकी और यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों में विकास», यूरोप में रोजगार 2006

प्रस्तुतीकरण की संरचना

- यूरोपियन यूनियन नीति परिप्रेक्ष्य
- सूक्ष्म दृष्टिकोण: मानव पूंजी एवं श्रम बाज़ार परिणाम
- वृहद् दृष्टिकोण: मानव पूंजी एवं वृद्धि
  - सैद्धांतिक दृष्टिकोण
  - अनुभवजन्य साक्ष्य: ईआईई 2006
- कुछ नीतिगत निहितार्थ

यूरोपियन यूनियन नीति परिप्रेक्ष्य (1/3)

- 2000 लिस्बन रणनीति: यूरोपीय संघ 2010 तक "सबसे गतिशील और प्रतिस्पर्धी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था" बनने की दिशा में
- लिस्बन रणनीति की मध्यावधि समीक्षा: यूरोप को अपनी उत्पादकता में सुधार लाने और अधिक लोगों को रोजगार देने की जरूरत है।

यूरोपियन यूनियन नीति परिप्रेक्ष्य (2/3)

- 2005 में वृद्धि और विकास हेतु लिस्बन रणनीति की समीक्षा: मानव पूंजी और अनुसंधान एवं विकास में अधिक निवेश की जरूरत पर ज्यादा जोर दिया गया।

- इस बात पर ज़ोर देते हुए रिपोर्ट का अनुपालन किया गया कि यूरोपियन यूनियन में धीमी उत्पादन प्रगति का संबंध संयुक्त राष्ट्र से है जो धीमी तकनीकी प्रगति के कारण हुआ है।

- धीमी तकनीकी प्रगति का कारण विशेष रूप से अनुसंधान एवं विकास और उच्च शिक्षा में कम निवेश है।

यूरोपियन यूनियन नीति परिप्रेक्ष्य (3/3)

शैक्षिक संस्था पर खर्च जीडीपी के % के रूप में

तृतीयक शिक्षा (2003)

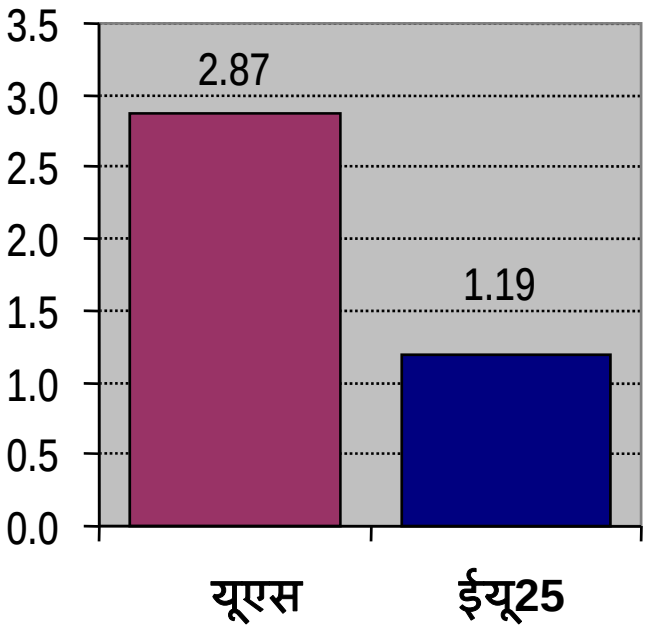

आरएंडडी खर्च और % के रूप में जीडीपी (2004)

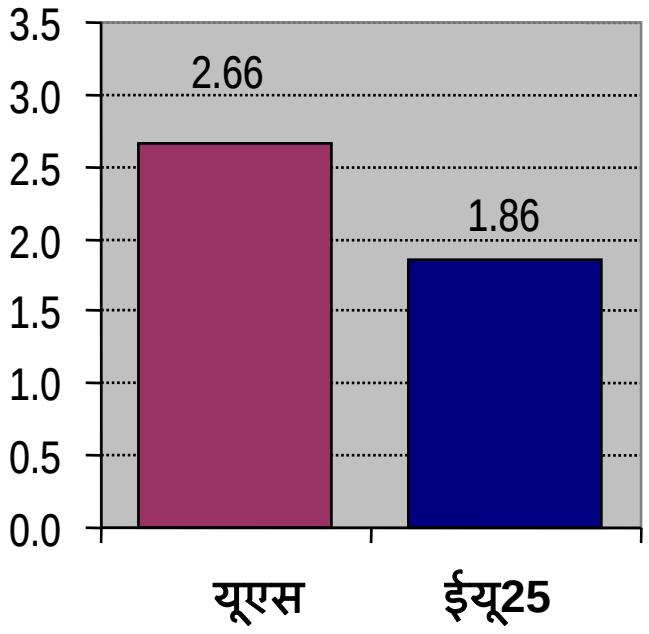

सूक्ष्म दृष्टिकोण: मानव पूंजी और श्रम बाज़ार परिणाम (1/3)

- शिक्षा, और अधिक सामान्य तौर पर मानव पूंजी, एक प्राथमिक कारक है:
  - व्यक्तिगत अर्जन: यूरोपीय संघ में स्कूली शिक्षा के लिए एक अतिरिक्त वर्ष से भुगतान औसतन लगभग 6.5% होने का अनुमान किया गया है।
  - श्रम शक्ति सहभागिता दर और रोजगार की संभावनाएं: यूरोपियन यूनियन में उच्च कौशल कर्मचारी, उच्च रोजगार और सहभागिता दर तथा न्यूनतम बेरोजगारी दर दर्शाता है।

सूक्ष्म दृष्टिकोण: मानव पूंजी और श्रम बाज़ार परिणाम (2/3)

रोजगार एवं गतिविधि दरें ईयू 25 (आयु समूह 15 – 64; 2005; %))

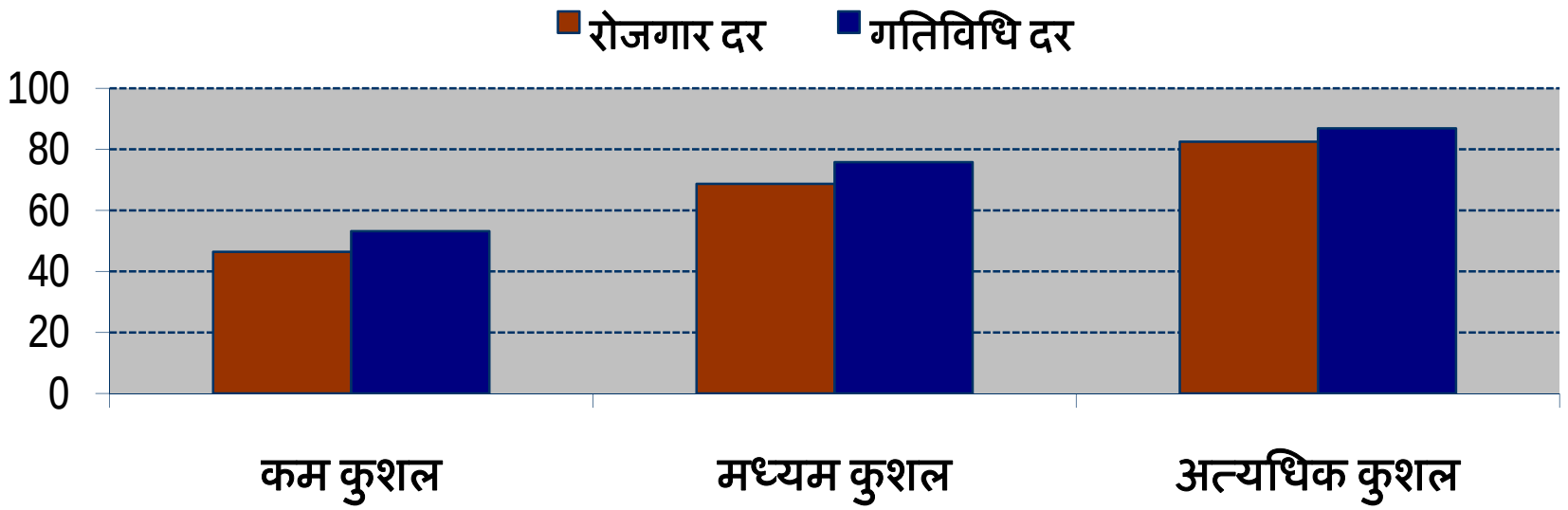

सूक्ष्म दृष्टिकोण: मानव पूंजी और श्रम बाज़ार परिणाम (3/3)

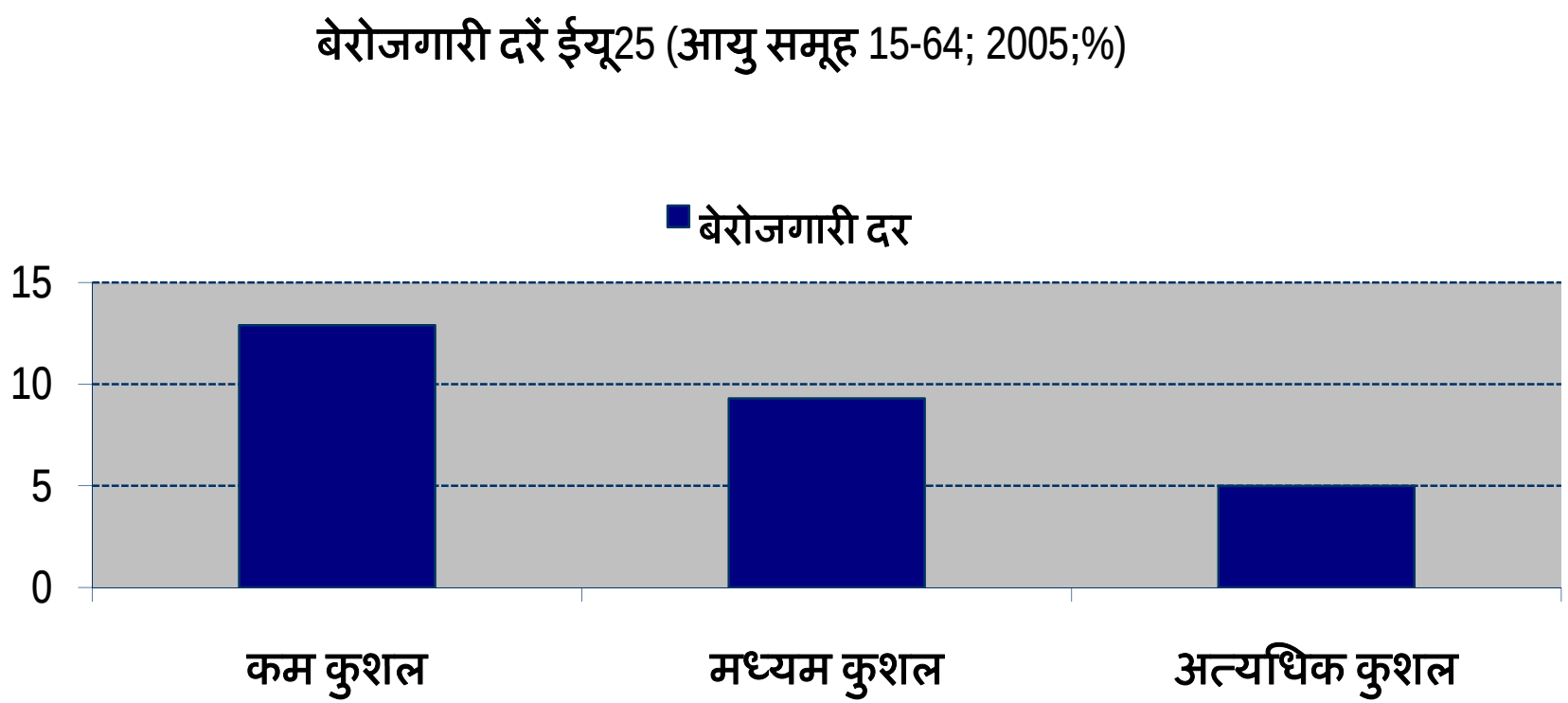

वृहद् दृष्टिकोण: मानव पूंजी और वृद्धि

- इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि मानव पूंजी कुल उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि का प्रमुख कारक है...
- ... और यह कि मानव पूंजी विभिन्न चैनलों के माध्यम से उत्पादकता और विकास को प्रभावित कर सकता है।

सैद्धान्तिक दृष्टिकोण (1/3)

- दो दृष्टिकोण:
  - मानक दृष्टिकोण: कुशल श्रमिक किसी भी तकनीक के साथ गैर-कुशल श्रमिकों की तुलना में अधिक उत्पादक होते हैं।
  - वैकल्पिक दृष्टिकोण: कुशल श्रमिक बेहतर तौर पर सृजित करने, अपनाने और नई प्रौद्योगिकियों को कार्यान्वित करने में सक्षम हैं, जिससे विकास सृजित होता है।

सैद्धान्तिक दृष्टिकोण (2/3)

- मानक दृष्टिकोण के पीछे विचार:
  - नव-संस्थापित विकास के मॉडल से सम्बद्ध।
  - मानव पूंजी उत्पादन प्रक्रिया का एक सामान्य निवेश है, जिसमें भौतिक पूंजी और अकुशल श्रमिक भी शामिल हैं।
  - मानव पूंजी संचय (उदा. औसत लाभ में वृद्धि) तकनीकी का लगातार उपयोग करते हुए देश की उत्पादकता (अथवा वृद्धि) को बढ़ाता है।
  - वृद्धि को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए मानव पूंजी का संचय आवश्यक है।

सैद्धान्तिक दृष्टिकोण (3/3)

- वैकल्पिक दृष्टिकोण के पीछे विचार:
  - अंतर्जातीय सिद्धांत के साथ जुड़ा
  - विकास मानव पूंजी के स्टॉक द्वारा चालित होता है (उदा. औसत प्राप्ति)
    - घरेलू स्तर पर नई प्रौद्योगिकियों को उत्पन्न करना
    - अपनाई गई नई प्रौद्योगिकियों को विदेश में विकसित किया है
  - मानव पूंजी का स्टॉक तकनीकी प्रगति को सहायता प्रदान करता है
  - बदले में तकनीकी प्रगति स्थायी विकास के लिए अनुमति देता है।

अनुभवजन्य साक्ष्य: ईआईई 2006 (1/4)

- वैकल्पिक दृष्टिकोण का चयन:
  - परिवर्तन और नवीनता के लिए अनुकूलन की आवश्यकता होती है नौकरियों के लिए आवश्यक मानव पूंजी; यह ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - यह मान लेना कि मानव पूंजी की भूमिका अनुमन्य कार्य संगठनों के रूप में बढ़ावा देना है।
    - काम में स्वायत्तता के उच्च स्तर
    - कार्य जटिलता
    - सीखने और समस्या को सुलझाने के उच्च स्तर

अनुभवजन्य साक्ष्य: ईआईई 2006 (2/4)

- क्या मानव पूंजी का स्तर वास्तव में यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी के अंतर को समझा सकता है?

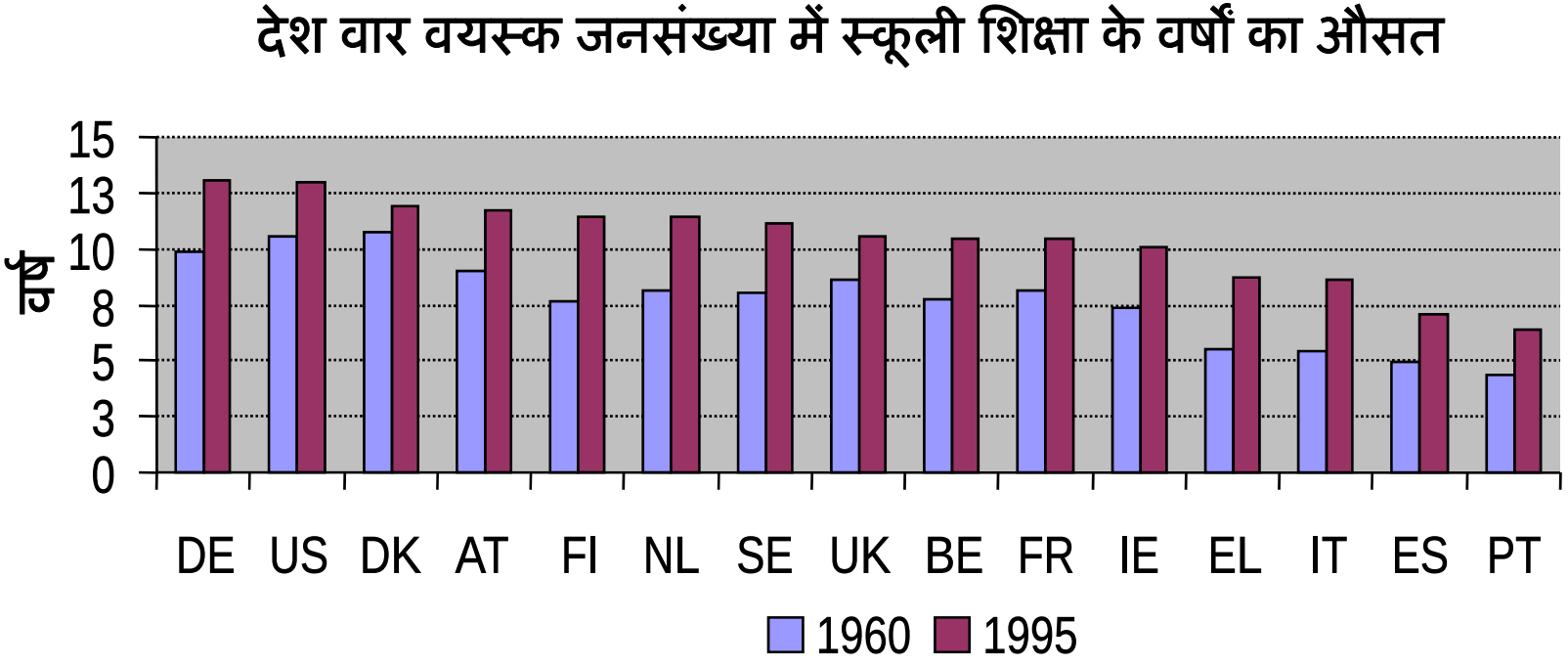

अनुभवजन्य साक्ष्य: ईआईई 2006 (3/4)

- कौशल संरचना की मानव पूंजी स्टॉक के बारे में क्या किया जाना चाहिए?

देश में कुल वयस्क जनसंख्या के संबंध में न्यूनतम शिक्षा स्तर के साथ वयस्क जनसंख्या का हिस्सा

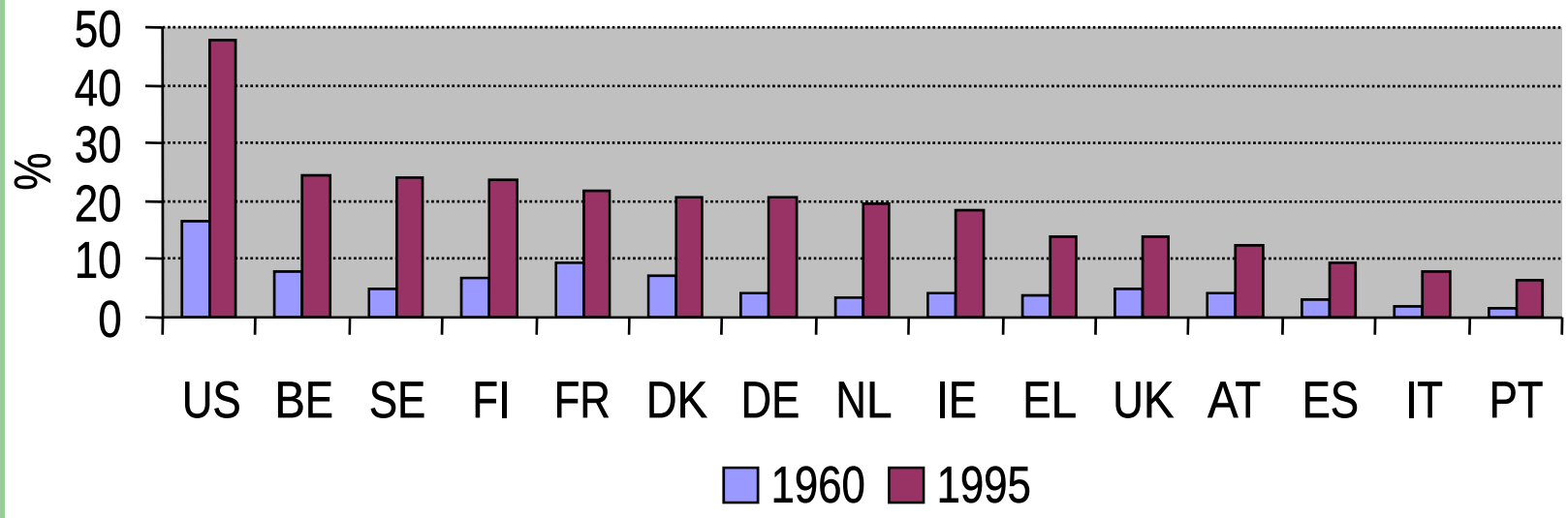

अनुभवजन्य साक्ष्य: ईआईई 2006 (34/4)

- पैनल डाटा का आंकलन (1960-2000) 14 यूरोपीय देशों के लिए
  - यूरोपीय यूनियन में उत्पादकता में भिन्नता को उच्च-कौशल श्रम तथा अनुमन्य कार्य संगठनों के प्रकारों के उपयोग से आँका जा सकता है
  - उच्च कुशल श्रम, प्रौद्योगिकी के निर्माण और अवशोषण, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है
  - तकनीकी सृजन का प्रभाव उन देशों में अधिक है जहां कार्य का माहौल अनुकूलन क्षमता को प्रोत्साहित करती है (उदा. नीदरलैंड्स, डेन्मार्क, फ़िनलैंड, स्वीडन, औस्ट्रिया और जर्मनी)

कुछ नीतिगत निहितार्थ

- **एक उच्च-कुशल और अनुकूलनीय कार्य शक्ति को बढ़ावा देना**
  - कौशल गठन पर एक जीवन-चक्र के नजरिए की आवश्यकता है. तृतीयक शिक्षा के क्षेत्र में अधिक निवेश रामबाण नहीं हो सकता है
- **अनुकूलनीय कार्य संगठनों को बढ़ावा देना**
  - आजीवन सीखने को विकसित करने की आवश्यकता है. वे देश जो अनुमन्य कार्य काम संगठन का प्रकारों को समर्थन करते हैं, वे हैं जो आजीवन सीखने को बढ़ावा देते हैं।